पानी रे पानी

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» जल-चक्र की प्रक्रिया

प्रश्न 1 (आसान). जल-चक्र में सबसे पहला चरण क्या है?
उत्तर – वाष्पीकरण (Evaporation)

प्रश्न 2 (आसान). भाप बादल में कैसे बदलती है?
उत्तर – संघनन (Condensation)

प्रश्न 3 (मध्यम). बारिश के पानी का क्या होता है? जल-चक्र के अनुसार बताओ।
उत्तर – वह नदियों से बहकर फिर समुद्र में मिल जाता है।

प्रश्न 4 (कठिन). अगर सूर्य की गर्मी न हो तो जल-चक्र पर क्या असर पड़ेगा? समझाओ।
उत्तर – भाप नहीं बनेगी, बादल नहीं बनेंगे, बारिश नहीं होगी – पूरा चक्र रुक जाएगा।

» पानी का संकट और असंतुलन

प्रश्न 5 (आसान). नल खोलने पर क्या आवाज आने लगती है जब पानी नहीं आता?
उत्तर – सूँ-सूँ की आवाज

प्रश्न 6 (आसान). पानी का संकट क्यों बढ़ता है जब लोग मोटर लगाते हैं?
उत्तर – क्योंकि एक घर दूसरे घरों का पानी खींच लेता है

प्रश्न 7 (मध्यम). शहरों में पानी बिकना किस बात को दिखाता है? पानी के संकट और असंतुलन से जोड़कर बताओ।
उत्तर – पानी की भारी कमी, जो संकट पैदा करता है – असंतुलन में बाढ़ आती है

प्रश्न 8 (कठिन). अकाल और बाढ़ दोनों पानी के असंतुलन के उदाहरण हैं। इनसे क्या समझ आता है और इनसे बचने के लिए क्या सोचना चाहिए?
उत्तर – पानी का संकट और असंतुलन दोनों ही जीवन को प्रभावित करते हैं; हमें जल-चक्र का सम्मान करते हुए पानी का सही उपयोग करना चाहिए

» अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलू

प्रश्न 9 (आसान). अकाल क्या है?
उत्तर – पानी का बहुत कम होना

प्रश्न 10 (आसान). बाढ़ क्यों आती है?
उत्तर – पानी का बहुत ज़्यादा होना

प्रश्न 11 (मध्यम). अकाल और बाढ़ को एक ही सिक्के के दो पहलू क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि दोनों पानी के असंतुलन से होते हैं – एक में कमी, दूसरे में ज़्यादा।

प्रश्न 12 (कठिन). जल-चक्र के गलत उपयोग से अकाल और बाढ़ दोनों कैसे जुड़े हैं? उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर – जल-चक्र का सही उपयोग न करने से वर्षा का बंटवारा बिगड़ता है – सूखे क्षेत्रों में अकाल, भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में बाढ़ आती है।

» धरती रूपी बड़ी गुल्लक

प्रश्न 13 (आसान). धरती को गुल्लक क्यों कहा गया है?
उत्तर – क्योंकि यह वर्षा का पानी तालाबों में जमा करके भूजल भंडार को बढ़ाती है, जैसे हम पैसे जमा करते हैं।

प्रश्न 14 (आसान). तालाब पानी जमा करके क्या करते हैं?
उत्तर – वे पानी को जमीन के नीचे भेजते हैं जिससे भूजल समृद्ध होता है।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर हम तालाबों को भरने नहीं देते तो क्या होगा? 2 कारण बताओ।
उत्तर – भूजल कम हो जाएगा, साल भर पानी की कमी पड़ेगी।

प्रश्न 16 (कठिन). बारिश के बाद भी हमारे कुएँ सूख क्यों जाते हैं? धरती रूपी बड़ी गुल्लक के हिसाब से समझाओ।
उत्तर – क्योंकि हमने तालाब-झीलें भरना बंद कर दिया है, इसलिए बारिश का पानी भूजल में नहीं पहुँच पाता।

» तालाबों को भरने की गलती और उसकी सजा

प्रश्न 17 (आसान). तालाबों को भरने की सबसे बड़ी गलती क्या है?
उत्तर – कचरे से पाटकर उन पर मकान बनाना

प्रश्न 18 (आसान). इस गलती से गर्मी में क्या होता है?
उत्तर – नल सूख जाते हैं

प्रश्न 19 (मध्यम). अगर तालाब न रहे तो बरसात का पानी कहाँ जाएगा और क्या समस्या आएगी?
उत्तर – सीधे सड़कों पर बहेगा, बाढ़ आएगी और भूजल नहीं बनेगा

प्रश्न 20 (कठिन). क्यों कहते हैं कि तालाब भरना अकाल और बाढ़ दोनों का कारण बनता है? विस्तार से समझाओ।
उत्तर – तालाब भरने से भूजल रिचार्ज नहीं होता इसलिए गर्मी में अकाल, और बरसात में पानी रुकने की जगह न होने से बाढ़ आती है।

» भूजल भंडार की सुरक्षा

प्रश्न 21 (आसान). भूजल भंडार की सुरक्षा का एक तरीका बताओ?
उत्तर – वर्षा के पानी को तालाबों में थामना

प्रश्न 22 (आसान). धरती को गुल्लक क्यों कहा गया?
उत्तर – क्योंकि इसमें पानी जमा करके जरूरत के समय निकालते हैं

प्रश्न 23 (मध्यम). अगर हम भूजल भंडार की सुरक्षा नहीं करेंगे तो क्या होगा?
उत्तर – पानी के चक्कर में फँस जाएँगे, अकाल और बाढ़ दोनों आएंगे

प्रश्न 24 (कठिन). जल-चक्र और भूजल भंडार की सुरक्षा में क्या संबंध है? विस्तार से बताओ।
उत्तर – जल-चक्र ठीक चलाने से वर्षा जल तालाबों में जाता है, भूजल बढ़ता है और सुरक्षा होती है

» वर्षा जल संग्रहण

प्रश्न 25 (आसान). वर्षा जल संग्रहण का मतलब क्या है?
उत्तर – बारिश का पानी छत पर इकट्ठा करके टंकी में भंडारित करना

प्रश्न 26 (आसान). संग्रहण के बाद पानी को क्यों साफ करना जरूरी है?
उत्तर – क्योंकि छत पर मिट्टी के कण मिल जाते हैं

प्रश्न 27 (मध्यम). अपने घर में वर्षा जल संग्रहण कैसे कर सकते हैं? 2 तरीके बताओ।
उत्तर – 1. छत से पाइप लगाकर टैंक में पानी भरना। 2. फिल्टर से साफ करके इस्तेमाल करना।

प्रश्न 28 (कठिन). अगर 50 वर्ग मीटर छत पर 2 सेमी बारिश हो तो कितना पानी इकट्ठा होगा? (स्टेप बाय स्टेप हल करो)

उत्तर – क्षेत्रफल 50 m², ऊँचाई 0.02 m, आयतन = 1 m³ = 1000 लीटर

» पानी की बचत के दैनिक उपाय

प्रश्न 29 (आसान). नहाते समय नल बंद रखने से क्या होता है?

उत्तर – पानी की बचत होती है

प्रश्न 30 (आसान). पानी संचयन के लिए कौन से पात्र इस्तेमाल होते हैं?

उत्तर – बाल्टी, घड़ा, टंकी

प्रश्न 31 (मध्यम). अगर घर में रोज 300 लीटर पानी खर्च होता है और बचत के उपाय से 100 लीटर बच जाए तो कितना पानी बचेगा? क्यों जरूरी है?

उत्तर – 100 लीटर बचेगा। क्योंकि इससे भूजल स्तर बढ़ता है और कमी नहीं होती।

प्रश्न 32 (कठिन). अपने घर की पानी की तालिका बनाकर बताओ कि बचत के तीन उपाय अपनाने से कितना पानी बच सकता है और जन-सुविधा में सुधार कैसे होगा?

उत्तर – तालिका: नहाना 150L100L, बर्तन 80L50L, सफाई 70L40L। कुल बचत 110L। इससे पाइप या हैंडपंप पर बोझ कम होगा।

» उपसर्ग और शब्द निर्माण

प्रश्न 33 (आसान). उपसर्ग 'सु' लगाकर 'ज्ञान' से नया शब्द बनाइए।

उत्तर – सुज्ञान

प्रश्न 34 (आसान). 'वि' उपसर्ग से 'विवाद' शब्द का अर्थ क्या होगा?

उत्तर – झगड़ा या मतभेद

प्रश्न 35 (मध्यम). उपसर्ग 'अ' और 'प्र' का उपयोग करके दो नए शब्द बनाकर वाक्य लिखिए।

उत्तर – अकाल – अकाल पड़ने से किसान परेशान हैं। प्रकाश – सूरज का प्रकाश सबको रोशन करता है।

प्रश्न 36 (कठिन). दिए गए उपसर्गों – परा, अनु – से दो शब्द बनाकर उनके अर्थ में अंतर समझाइए।

उत्तर – पराक्रम (बहुत बढ़ा हुआ कर्म), अनुकरण (नकल करना) – दोनों में उपसर्ग अर्थ को खास बनाते हैं।

» समानार्थी शब्द और भाषा का प्रभाव

प्रश्न 37 (आसान). सूर्य का एक समानार्थी शब्द लिखो।

उत्तर – भास्कर

प्रश्न 38 (आसान). बादल का एक समानार्थी शब्द लिखो।

उत्तर – मेघ

प्रश्न 39 (मध्यम). वाक्य बदलो – 'हवा तेज चल रही है' को समानार्थी शब्द लगाकर और प्रभावशाली बनाओ।

उत्तर – पवन तेज चल रही है।

प्रश्न 40 (कठिन). दो वाक्य बनाओ – एक में 'सूरज' और दूसरे में 'भास्कर' लगाकर दिखाओ कि भाषा का प्रभाव कैसे बदलता है।

उत्तर – सूरज चमक रहा है (साधारण)। भास्कर की किरणें फूलों को खिला रही हैं (काव्यात्मक और गहरा प्रभाव)।

» अनुपम मिश्र और उनका योगदान

प्रश्न 41 (आसान). अनुपम मिश्र किस क्षेत्र के विशेषज्ञ थे?
उत्तर – पर्यावरण संरक्षण

प्रश्न 42 (आसान). उनकी प्रसिद्ध पुस्तक का नाम क्या है?
उत्तर – आज भी खरे हैं तालाब

प्रश्न 43 (मध्यम). अनुपम मिश्र ने तालाबों के बारे में क्यों लिखा?
उत्तर – क्योंकि तालाब पानी संग्रहित करते हैं और भूजल बढ़ाते हैं, जिससे जल संकट कम होता है।

प्रश्न 44 (कठिन). अनुपम मिश्र के योगदान से हम क्या सीख सकते हैं? दो कारण बताओ।
उत्तर – तालाबों को साफ रखना चाहिए। कचरा फेंककर उन्हें नहीं भरना चाहिए। इससे पानी की बचत होती है।

» मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रेरणादायक कहानी

प्रश्न 45 (आसान). विश्वेश्वरैया ने बचपन में प्रकृति की शक्ति कहाँ देखी?
उत्तर – मूसलाधार बारिश, नाली के पानी की भँवर और जलप्रपात में

प्रश्न 46 (आसान). उन्होंने जीवन भर क्या बनकर रहने का संकल्प लिया?
उत्तर – छात्र (student for life)

प्रश्न 47 (मध्यम). विश्वेश्वरैया की कहानी से हमें क्या सीख मिलती है?
उत्तर – सवाल पूछो, ज्ञान सीखते रहो, ईमानदारी और संकल्प से महान बन सकते हो

प्रश्न 48 (कठिन). अपने शब्दों में बताओ कि विश्वेश्वरैया के बचपन के सवालों ने उन्हें इंजीनियर कैसे बनाया?
उत्तर – प्रकृति और गरीबी के सवालों ने उन्हें ज्ञान की असीमता समझाई, संकल्प दिया कि पहले जानो फिर करो, इसी से वे व्यावहारिक महान इंजीनियर बने

» तालाबों का इतिहास और साझी समझ

प्रश्न 49 (आसान). चार भाइयों के नाम क्या थे?
उत्तर – Kudran, Budhan, Sarman और Kourai

प्रश्न 50 (आसान). तालाब बनाने वाले को समाज क्या मानता था?
उत्तर – महात्मा

प्रश्न 51 (मध्यम). 'पाल के किनारे रखा इतिहास' में राजा ने क्या कहा?
उत्तर – 'अच्छे-अच्छे काम करते जाना, तालाब बनाते जाना.'

प्रश्न 52 (कठिन). दोनों पाठों की साझी समझ लिखकर बताओ कि इससे हमें आज क्या सीखना चाहिए?
उत्तर – दोनों में पानी की जरूरत, तालाबों का महत्व और समाज की कृतज्ञता समान है – आज भी हमें तालाब बचाने और नए बनाने चाहिए ताकि पानी की समस्या न हो।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. जल-चक्र की प्रक्रिया को चार मुख्य चरणों में क्रम से लिखो और बताओ कि यह क्यों लगातार चलता रहता है।

› पहला चरण: सूर्य की गर्मी से समुद्र का पानी भाप बनकर ऊपर उठता है – इसे वाष्पीकरण कहते हैं।
› दूसरा चरण: भाप ठंडी होकर बादलों में बदल जाती है – संघनन।
› तीसरा चरण: बादल भारी होकर बारिश, बर्फ या ओले के रूप में पानी गिराते हैं – वर्षण।
› चौथा चरण: बारिश का पानी नदियों, नालों से बहकर फिर समुद्र में मिल जाता है।
› यह लगातार चलता है क्योंकि सूर्य की गर्मी हमेशा बनी रहती है और पृथ्वी पर पानी की कुल मात्रा fixed है।

उत्तर – जल-चक्र: वाष्पीकरण संघनन वर्षण वापसी। यह इसलिए चलता है ताकि पानी कभी खत्म न हो।

उदाहरण 2. अगर एक मोहल्ले में आधे घर मोटर लगाकर पानी खींच लें तो क्या होगा? पानी के संकट और असंतुलन को समझाते हुए बताओ।

› पहले देखो, नल में पहले से ही पानी कम आ रहा है।
› फिर कुछ लोग मोटर लगाते हैं, जिससे उनका पानी बढ़ जाता है लेकिन बाकी घरों का पानी और कम हो जाता है।
› इससे झगड़े बढ़ते हैं, पानी की कमी और बढ़ती है – यही संकट है।
› अगर बारिश ज्यादा हो जाए तो बाढ़ आ जाती है, जो असंतुलन पैदा करती है।
› इसलिए दोनों स्थितियाँ समस्या हैं।

उत्तर – पानी का संकट बढ़ जाएगा और असंतुलन से बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है, दोनों से लोगों को कष्ट होगा।

उदाहरण 3. अगर किसी क्षेत्र में तीन साल तक औसत से 70% कम बारिश हुई और फिर एक साल में औसत से 200% ज़्यादा बारिश हो गई, तो इन दोनों स्थितियों को जल-चक्र के संदर्भ में समझाइए।

› पहले स्थिति में पानी का बेहद कम होना अकाल पैदा करता है, फसलें सूख जाती हैं, भूजल स्तर गिर जाता है।
› दूसरी स्थिति में अत्यधिक पानी बाढ़ लाता है, नदियाँ उफनती हैं, घर-खेत डूब जाते हैं।
› दोनों ही जल-चक्र के असंतुलन से होते हैं – एक तरफ कमी, दूसरी तरफ बाढ़।
› इसलिए सही बंटवारा और संरक्षण ज़रूरी है।

उत्तर – दोनों स्थितियाँ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं – अकाल और बाढ़, जो पानी के गलत उपयोग और असंतुलन से पैदा होते हैं।

उदाहरण 4. अगर किसी गाँव में तीन तालाब हैं और हर तालाब बारिश में 2 लाख लीटर पानी जमा करता है, तो बताओ धरती की गुल्लक कितना पानी भूजल में भेज सकती है? (मान लो सब पानी रिस जाता है)

› पहले हर तालाब का पानी लिखो – 2 लाख लीटर
› तीन तालाब हैं, तो कुल पानी = 3 × 2 लाख = 6 लाख लीटर
› यह सारा पानी धीरे-धीरे जमीन में रिसकर भूजल भंडार में जाता है
› इससे पता चलता है कि तालाब कितने जरूरी हैं

उत्तर – 6 लाख लीटर पानी भूजल भंडार को समृद्ध करेगा

उदाहरण 5. अगर किसी शहर के तीन बड़े तालाबों को कचरे से भरकर मकान बना दिए जाएँ तो गर्मी और बरसात में क्या-क्या समस्याएँ आएंगी? कारण सहित बताओ।

› पहले समझो कि तालाब पानी को रोककर भूजल में रिसने देते थे।
› अब तालाब भर गए तो बारिश का पानी रिस नहीं पाएगा, भूजल कम होगा।
› गर्मी में भूजल कम होने से नल और कुएँ सूख जाएंगे।
› बरसात में पानी रुकने की जगह नहीं मिलेगी तो बाढ़ आएगी और बस्तियाँ डूबेंगी।
› इसलिए अकाल और बाढ़ दोनों की समस्या बढ़ जाएगी।

उत्तर – गर्मी में नल सूखेंगे, बरसात में बाढ़ आएगी, भूजल कम हो जाएगा।

उदाहरण 6. अगर हम तालाबों को साफ रखकर वर्षा का पानी इकट्ठा करें तो भूजल भंडार पर क्या असर पड़ेगा? तीन स्टेप में समझाओ।

› पहले वर्षा का पानी तालाब में भर जाता है, जो धीरे-धीरे जमीन में रिसता है
› इससे भूजल भंडार समृद्ध होता है, मतलब पानी का स्तर ऊपर आता है
› नतीजा – गर्मी में भी कुएँ और नल में पानी मिलता रहता है, बाढ़ भी कम आती है

उत्तर – भूजल भंडार सुरक्षित और समृद्ध रहेगा, पूरे साल पानी की कमी नहीं होगी।

उदाहरण 7. एक घर की छत 100 वर्ग मीटर है। अगर 1 सेमी बारिश होती है तो कितना पानी इकट्ठा होगा? (1 घन मीटर = 1000 लीटर)

› छत का क्षेत्रफल = 100 वर्ग मीटर

› बारिश = 1 सेमी = 0.01 मीटर

› आयतन = क्षेत्रफल × ऊँचाई = 100 × 0.01 = 1 घन मीटर

› 1 घन मीटर = 1000 लीटर

› इसलिए कुल पानी = 1000 लीटर

उत्तर – 1000 लीटर पानी इकट्ठा होगा, जो वर्षा जल संग्रहण से भंडारित किया जा सकता है।

उदाहरण 8. एक परिवार रोज नहाने में 4 बाल्टी, बर्तन धोने में 3 बाल्टी और साफ-सफाई में 2 बाल्टी पानी इस्तेमाल करता है। अगर वे बचत के उपाय अपनाकर नहाने में 2 बाल्टी, बर्तन में 1 बाल्टी और साफ-सफाई में 1 बाल्टी कम कर दें तो एक दिन में कितना पानी बच जाएगा? कुल कितना बचेगा?

› पहले कुल पानी निकालो – 4 + 3 + 2 = 9 बाल्टी रोजाना खर्च।

› बचत वाले उपाय से नया खर्च – 2 + 2 + 1 = 5 बाल्टी।

› अब घटाओ – 9 बाल्टी में से 5 बाल्टी घटाकर 4 बाल्टी बचत।

› यानी एक दिन में 4 बाल्टी पानी बच जाएगा।

उत्तर – 4 बाल्टी पानी बच जाएगा।

उदाहरण 9. उपसर्ग 'अ' का प्रयोग करके 'समय' शब्द से नया शब्द बनाइए और वाक्य में प्रयोग कीजिए।

› पहले मूल शब्द लो – समय, जिसका मतलब है वक्त या काल।

› उपसर्ग 'अ' जोड़ो जो ना या विपरीत दिखाता है।

› नया शब्द बनता है – असमय।

› अब वाक्य बनाओ – असमय पानी की कमी हो गई तो फसल सूख गई।

उत्तर – असमय – असमय में बारिश न हुई तो अकाल पड़ गया।

उदाहरण 10. नीचे दिए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर समान अर्थ देने वाले उपयुक्त शब्द लिखिए: (क) सूरज की किरणें पड़ते ही फूल खिल उठे। (ख) अचानक बादल गरजने लगे।

› पहले वाक्य में 'सूरज' रेखांकित है – इसके समानार्थी शब्द हैं भास्कर, दिवाकर, दिनकर। काव्यात्मक वाक्य है तो 'भास्कर' सबसे अच्छा लगेगा।

› दूसरे वाक्य में 'बादल' रेखांकित है – समानार्थी हैं मेघ, वारिद, जलद। गरजने वाला वाक्य है तो 'मेघ' सबसे सूट करता है।

› तो नया वाक्य बनेगा – भास्कर की किरणें पड़ते ही फूल खिल उठे। अचानक मेघ गरजने लगे।

उत्तर – भास्कर, मेघ

उदाहरण 11. अनुपम मिश्र की मुख्य पुस्तक का नाम बताइए और उसका योगदान एक वाक्य में लिखिए.

› Step 1: याद करो कि अनुपम मिश्र पर्यावरणविद् थे और तालाबों पर काम करते थे.

› Step 2: उनकी सबसे चर्चित पुस्तक 'आज भी खरे हैं तालाब' है.

› Step 3: योगदान सोचो – तालाबों के महत्व को लोगों तक पहुँचाना और संरक्षण के प्रयोग बताना.

› Step 4: एक वाक्य में जोड़ो – उन्होंने तालाब बचाने का संदेश दिया.

उत्तर – अनुपम मिश्र की मुख्य पुस्तक 'आज भी खरे हैं तालाब' है। उनका योगदान तालाबों के संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता फैलाना है।

उदाहरण 12. विश्वेश्वरैया ने बचपन में जो तीन मुख्य बातें सीखीं, उन्हें क्रम से लिखकर बताओ कि उन्होंने उन्हें महान इंजीनियर कैसे बनाया?

› पहला कदम: प्रकृति की शक्ति को देखा – बारिश, पानी की भँवर, हवा और सूर्य – और समझा कि 'प्रकृति शक्ति है', इसलिए सब कुछ जानने की इच्छा हुई।

› दूसरा कदम: गरीबी के कारण पूछे – नौकरानी क्यों गरीब है, क्यों झोंपड़ी में रहती है – इससे राष्ट्रीयता की चिंगारी जली और समाधान ढूँढने की आदत बनी।

› तीसरा कदम: ज्ञान असीम है यह समझकर संकल्प लिया कि जीवन भर छात्र बनकर रहेंगे, ईमानदारी और अनुशासन से पढ़ाई जारी रखी, जिससे वे व्यावहारिक इंजीनियर बने।

उत्तर – प्रकृति समझना, गरीबी के सवाल पूछना और जीवन भर सीखने का संकल्प – इन्हीं तीनों ने विश्वेश्वरैया को महान इंजीनियर बनाया।

उदाहरण 13. दोनों पाठों 'पानी रे पानी' और 'पाल के किनारे रखा इतिहास' में समान बातें ढूंढकर बताओ कि तालाब का इतिहास समाज को क्या सिखाता है।

› पहले 'पाल के किनारे रखा इतिहास' पढ़ो – चार भाइयों ने पारस मिलने पर भी तालाब बनाए, राजा ने कहा अच्छे काम करते जाना।

› फिर 'पानी रे पानी' में विश्वेश्वरैया की कहानी देखो – प्रकृति की शक्ति समझकर पानी प्रबंधन की जरूरत।

› साझी समझ निकालो – दोनों में पानी की कमी दूर करने के लिए तालाब बनाना, समाज की मदद, और बनाने वाले को महात्मा मानना दिखता है।

› निष्कर्ष – तालाब सिर्फ पानी नहीं, इतिहास, एकता और कृतज्ञता का प्रतीक है।

उत्तर – तालाबों का इतिहास सिखाता है कि समाज मिलकर पानी बचाए, बनाने वाले को महात्मा माने, और यह दोनों पाठों में साझा संदेश है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बोर्ड परीक्षा में जल-चक्र का चित्र बनाकर चार चरण label करके लिखो, 3-4 marks आसानी से मिल जाएंगे।

• बोर्ड एग्जाम में अक्सर पूछा जाता है कि पानी का संकट और असंतुलन क्या है – दोनों के 2-2 उदाहरण जरूर लिखना, 3-4 अंक मिलेंगे।

• बोर्ड परीक्षा में यह अवधारणा अक्सर 'पानी की समस्या' या 'जल संरक्षण' के निबंध/प्रश्न में आती है – दोनों को एक ही समस्या के दो रूप बताना जरूरी है।

• पानी संरक्षण के 2-3 अंक के प्रश्न में धरती रूपी गुल्लक का उदाहरण जरूर लिखो, बोर्ड में आता है।

• परीक्षा में पूछा जा सकता है कि 'इस बड़ी गलती की सजा' से क्या तात्पर्य है – तालाब पाटने का उदाहरण देकर दोनों समस्याएँ लिखना।

• परीक्षा में पूछा जा सकता है कि भूजल भंडार कैसे समृद्ध होता है – तालाबों की रखवाली और वर्षा जल संग्रह का जवाब जरूर लिखना

• बोर्ड एग्जाम में जल संकट या भूजल बचाने पर निबंध आए तो वर्षा जल संग्रहण का उदाहरण जरूर लिखना, 2-3 अंक मिलेंगे।

• पानी बचत के 4-5 उपाय और संचयन पात्रों के नाम बोर्ड एग्जाम में अक्सर पूछे जाते हैं, उदाहरण के साथ लिखना।

• बोर्ड एग्जाम में उपसर्ग से 2-3 नए शब्द बनाने और वाक्य में प्रयोग का सवाल आता है, हमेशा अर्थ लिखना न भूलें।

• परीक्षा में समानार्थी शब्द पूछे जाते हैं, सूर्य बादल हवा के 3-3 पर्याय याद रखो और वाक्य प्रभाव का एक उदाहरण लिखने को तैयार रहो।

• बोर्ड परीक्षा में अनुपम मिश्र का योगदान और उनकी पुस्तक का नाम अक्सर आता है, कारण सहित लिखना सीख लो।

• बोर्ड परीक्षा में यह कहानी अक्सर 'प्रेरणा' या 'संकल्प' पर 5 अंक का प्रश्न आता है – सवाल पूछने और सीखने की आदत पर ज़रूर लिखना

• बोर्ड एग्जाम में दोनों पाठों की तुलना पूछे जाने पर साझी समझ पर 2-3 पॉइंट लिखो, जैसे तालाब का महत्व और कृतज्ञ समाज – यह अंक दिलाएगा।

एक नज़र में रिवीज़न

› जल-चक्र: वाष्पीकरण संघनन वर्षण वापसी
› पानी संकट (कमी+मोटर) और असंतुलन (बाढ़+अकाल)
› अकाल और बाढ़ = एक सिक्के के दो पहलू (जल-चक्र असंतुलन)
› धरती = बड़ी गुल्लक, तालाब भरो, भूजल बढ़ाओ
› तालाब भरने से भूजल कम, नल सूखे, बाढ़
› भूजल सुरक्षा: वर्षा जल थामो, तालाब बचाओ
› वर्षा जल संग्रहण: छत पाइप टंकी, फिल्टर से साफ
› दैनिक बचत: नल बंद, 1 बाल्टी नहाना, संचयन पात्र
› उपसर्ग: शुरू में जुड़कर अर्थ बदलता है (अ+काल=अकाल)
› समानार्थी: सूर्य-भास्कर, बादल-मेघ; शब्द बदलने से प्रभाव बदलता है
› अनुपम मिश्र: 'आज भी खरे हैं तालाब' लेखक, तालाब संरक्षण
› विश्वेश्वरैया: प्रकृति+गरीबी सवाल, ज्ञान असीम, जीवनभर छात्र, संकल्प से इंजीनियर
› चार भाई-तालाब, महात्मा माने जाते, साझी समझ: पानी+समाज